ख़ुदा की नज़र से देखना

दाऊद बादशाह का चुनाव

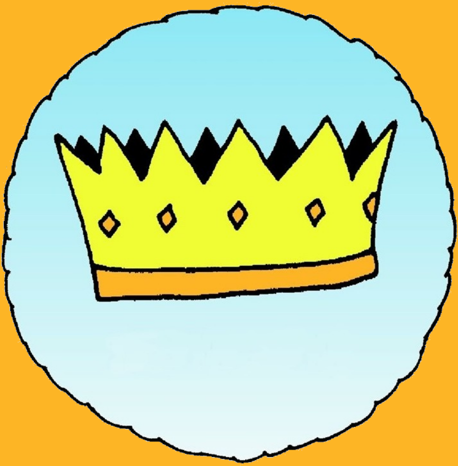

ḳhudā kī nazr se dekhnā. dāūd bādshāh kā chunāo

Seeing through God's Eyes. King David is Chosen

by Bakhtullah

[*Zinda Kalam 12*]

(Urdu—Hindi script)

© 2026 Chashma Media.

published and printed by
GWCS, New Delhi

Bible text is from UGV.

illus. R. Gunther
https://www.freebibleimages.org/illustrations/ls-david-anointed/

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

ख़ुदा की नज़र से देखो 4

ख़ुदा के कहने पर अमल करो 5

1 समुएल 16:1-13 9

एक दिन रब, समुएल नबी से हमकलाम हुआ,

> मेंढे का सींग ज़ैतून के तेल से भरकर बैत-लहम चला जा। वहाँ एक आदमी से मिल जिसका नाम यस्सी है। क्योंकि मैंने उसके बेटों में से एक को चुन लिया है कि वह नया बादशाह बन जाए।

► **ख़ुदा ने समुएल नबी को क्यों कहा कि मेंढे का सींग ज़ैतून के तेल से भर ले?**

क़दीम ज़माने में मेंढे का सींग बरतन के तौर पर इस्तेमाल होता था। आदमी सफ़र के लिए उसमें तेल उंडेलकर अपने साथ ले जा सकता था।

► **अपने साथ ज़ैतून का तेल ले जाने का क्या मक़सद था?**

एक ख़ास आदमी को तेल से मसह करना था यानी तेल उसके सर पर उंडेलना था।

► **सर पर तेल उंडेलने का क्या मक़सद था?**

सर पर तेल उंडेलने से ख़ुदा यह कहना चाहता था कि मैं इस आदमी को अपने लिए मख़सूस कर रहा हूँ। यही एक दिन इसराईल का बादशाह बनेगा। तब लिखा है,

> समुएल मान गया। जब वह बैत-लहम पहुँच गया तो लोग चौंक उठे। लरज़ते लरज़ते शहर के बुज़ुर्ग उससे मिलने आए और पूछा, "ख़ैरियत तो है कि आप हमारे पास आ गए हैं?"

समुएल ने उन्हें तसल्ली देकर कहा, “ख़ैरियत है। मैं रब के हुज़ूर क़ुरबानी पेश करने के लिए आया हूँ। अपने आपको रब के लिए मख़सूसो-मुक़द्दस करें और फिर मेरे साथ क़ुरबानी की ज़ियाफ़त में शरीक हो जाएँ।” समुएल ने यस्सी और उसके बेटों को भी दावत दी और उन्हें अपने आपको मख़सूसो-मुक़द्दस करने को कहा।

जब यस्सी अपने बेटों समेत क़ुरबानी की ज़ियाफ़त के लिए आया तो समुएल की नज़र इलियाब पर पड़ी। उसने सोचा, “बेशक यह वह है जिसे रब मसह करके बादशाह बनाना चाहता है।”

► **आपका क्या ख़याल है? क्या सबसे बड़ा बेटा इलियाब बादशाह बनेगा?**

नहीं। इससे हम पहला सबक़ सीखते हैं,

ख़ुदा की नज़र से देखो

लिखा है,

> रब ने फ़रमाया, "इसकी शक्लो-सूरत और लंबे क़द से मुतअस्सिर न हो, क्योंकि यह मुझे नामंज़ूर है। मैं इनसान की नज़र से नहीं देखता। क्योंकि इनसान ज़ाहिरी सूरत पर ग़ौर करके फ़ैसला करता है जबकि रब को हर एक का दिल साफ़ साफ़ नज़र आता है।"

► **क्या रब ने सबसे बड़े नौजवान को चुन लिया?**

नहीं।

► **क्यों नहीं?**

इसलिए कि ख़ुदा ज़ाहिरी सूरत पर ग़ौर करके फ़ैसला नहीं करता। वह दिल को देखकर फ़ैसला करता है। तब लिखा है,

> फिर यस्सी ने अपने दूसरे बेटे अबीनदाब को बुलाकर समुएल के सामने से गुज़रने दिया। समुएल बोला, "नहीं, रब ने इसे भी नहीं चुना।" इसके बाद यस्सी ने तीसरे बेटे सम्मा को पेश किया। लेकिन यह भी नहीं चुना गया था। यों यस्सी ने अपने सात बेटों को एक एक करके समुएल के सामने से गुज़रने दिया। इनमें से कोई रब का चुना हुआ बादशाह न निकला।

► **क्या ख़ुदा ने इन बेटों में से किसी को चुन लिया?**

नहीं। अब हम एक और सबक़ सीखते हैं, यह कि

ख़ुदा के कहने पर अमल करो

► **जब ख़ुदा ने सात बेटों में से किसी को चुनने से इनकार किया तो क्या समुएल मायूस हुआ?**

नहीं। वह जानता था कि ख़ुदा का कोई मनसूबा है जो अब तक नज़र नहीं आता। इसलिए लिखा है,

> आख़िरकार समुएल ने पूछा, "इनके अलावा कोई और बेटा तो नहीं है?"

यस्सी ने जवाब दिया, “सबसे छोटा बेटा अभी बाक़ी रह गया है, लेकिन वह बाहर खेतों में भेड़-बकरियों की निगरानी कर रहा है।”

समुएल ने कहा, “उसे फ़ौरन बुला लें। उसके आने तक हम खाने के लिए नहीं बैठेंगे।”

चुनाँचे यस्सी छोटे को बुलाकर अंदर ले आया। यह बेटा गोरा था। उसकी आँखें ख़ूबसूरत और शक्लो-सूरत क़ाबिले-तारीफ़ थी। रब ने समुएल को बताया, “यही है। उठकर इसे मसह कर।”

► **ख़ुदा ने किस को चुन लिया?**

हज़रत दाऊद को। सबसे छोटे बेटे को।

► **दाऊद कैसा था?**

वह गोरा था। उसकी आँखें ख़ूबसूरत और शक्लो-सूरत क़ाबिले-तारीफ़ थी।

► **क्या वह अपने भाइयों जैसा बड़ा और ताक़तवर लग रहा था?**

नहीं। तब लिखा है,

> समुएल ने तेल से भरा हुआ मेंढे का सींग लेकर उसे दाऊद के सर पर उंडेल दिया। सब भाई मौजूद थे। उसी वक़्त रब का रूह दाऊद पर नाज़िल हुआ और उसकी

> सारी उम्र उस पर ठहरा रहा। फिर समुएल रामा वापस चला गया।

► **समुएल ने ख़ुदा के कहने पर क्या किया?**

उसने दाऊद के सर पर तेल उंडेल दिया।

► **जब उसने दाऊद के सर पर तेल उंडेला तो क्या हुआ?**

रब का रूह दाऊद पर नाज़िल हुआ और सारी उम्र उस पर ठहरा रहा।

► **इसका क्या मतलब है?**

मतलब यह है कि उसे ख़ुदा से ख़ास इख़्तियार मिल गया। ऐसा इख़्तियार जिससे वह पूरी ज़िंदगी बादशाह की ज़िम्मेदारियाँ निभा सका।

► **क्या आप समुएल की तरह ख़ुदा की नज़र से हालात और लोगों को परखते हैं? क्या आप ख़ुदा के कहने पर ही अमल करते हैं?** हर काम में दुआ करें कि आप ख़ुदा की नज़र से देख सकें और उसी के कहने पर अमल करें। तब ही कामयाबी यक़ीनी होगी।

1 समुएल 16:1-13

एक दिन रब समुएल से हमकलाम हुआ, "तू कब तक साऊल का मातम करेगा? मैंने तो उसे रद करके बादशाह का ओहदा उससे ले लिया है। अब मेंढे का सींग ज़ैतून के तेल से भरकर बैत-लहम चला जा। वहाँ एक आदमी से मिल जिसका नाम यस्सी है। क्योंकि मैंने उसके बेटों में से एक को चुन लिया है कि वह नया बादशाह बन जाए।"

लेकिन समुएल ने एतराज़ किया, "मैं किस तरह जा सकता हूँ? साऊल यह सुनकर मुझे मार डालेगा।"

रब ने जवाब दिया, "एक जवान गाय अपने साथ लेकर लोगों को बता दे कि मैं इसे रब के हुज़ूर क़ुरबान करने के लिए आया हूँ। यस्सी को दावत दे कि वह क़ुरबानी की ज़ियाफ़त में शरीक हो

जाए। आगे मैं तुझे बताऊँगा कि क्या करना है। मैं तुझे दिखाऊँगा कि किस बेटे को मेरे लिए मसह करके चुन लेना है।”

समुएल मान गया। जब वह बैत-लहम पहुँच गया तो लोग चौंक उठे। लरज़ते लरज़ते शहर के बुज़ुर्ग उससे मिलने आए और पूछा, “ख़ैरियत तो है कि आप हमारे पास आ गए हैं?”

समुएल ने उन्हें तसल्ली देकर कहा, “ख़ैरियत है। मैं रब के हुज़ूर क़ुरबानी पेश करने के लिए आया हूँ। अपने आपको रब के लिए मख़सूसो-मुक़द्दस करें और फिर मेरे साथ क़ुरबानी की ज़ियाफ़त में शरीक हो जाएँ।” समुएल ने यस्सी और उसके बेटों को भी दावत दी और उन्हें अपने आपको मख़सूसो-मुक़द्दस करने को कहा।

जब यस्सी अपने बेटों समेत क़ुरबानी की ज़ियाफ़त के लिए आया तो समुएल की नज़र इलियाब पर पड़ी। उसने सोचा, “बेशक यह वह है जिसे रब मसह करके बादशाह बनाना चाहता है।”

लेकिन रब ने फ़रमाया, “इसकी शक्लो-सूरत और लंबे क़द से मुतअस्सिर न हो, क्योंकि यह मुझे नामंज़ूर है। मैं इनसान की नज़र से नहीं देखता। क्योंकि इनसान ज़ाहिरी सूरत पर ग़ौर करके फ़ैसला करता है जबकि रब को हर एक का दिल साफ़ साफ़ नज़र आता है।”

फिर यस्सी ने अपने दूसरे बेटे अबीनदाब को बुलाकर समुएल के सामने से गुज़रने दिया। समुएल बोला, “नहीं, रब ने इसे भी नहीं

चुना।” इसके बाद यस्सी ने तीसरे बेटे सम्मा को पेश किया। लेकिन यह भी नहीं चुना गया था। यों यस्सी ने अपने सात बेटों को एक एक करके समुएल के सामने से गुज़रने दिया। इनमें से कोई रब का चुना हुआ बादशाह न निकला। आख़िरकार समुएल ने पूछा, “इनके अलावा कोई और बेटा तो नहीं है?”

यस्सी ने जवाब दिया, “सबसे छोटा बेटा अभी बाक़ी रह गया है, लेकिन वह बाहर खेतों में भेड़-बकरियों की निगरानी कर रहा है।”

समुएल ने कहा, “उसे फ़ौरन बुला लें। उसके आने तक हम खाने के लिए नहीं बैठेंगे।”

चुनाँचे यस्सी छोटे को बुलाकर अंदर ले आया। यह बेटा गोरा था। उसकी आँखें ख़ूबसूरत और शक्लो-सूरत क़ाबिले-तारीफ़ थी। रब ने समुएल को बताया, “यही है। उठकर इसे मसह कर।” समुएल ने तेल से भरा हुआ मेंढे का सींग लेकर उसे दाऊद के सर पर उंडेल दिया। सब भाई मौजूद थे। उसी वक़्त रब का रूह दाऊद पर नाज़िल हुआ और उसकी सारी उम्र उस पर ठहरा रहा। फिर समुएल रामा वापस चला गया।